अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2021) दिनांक : 26-08-21

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) देव नारकाणामुपपातः।

(ख) संसारिणस्त्रसस्थावराः।

(ग) मोहकर्मणो वेद्याभाव उपशमः।

(घ) निखिल द्रव्यपर्यायसाक्षात्कारि केवलम्।

(ङ) इन्द्रियमनोनिबन्धनं मतिः।

(च) जीवपुद्गलयोर्विविधसंयोगैः स विविधरूपः।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) काल अस्तिकाय क्यों नहीं है?

(ख) उपयोग किसे कहते हैं और इसके कितने प्रकार हैं?

(ग) अवधिज्ञान के कितने और कौन-कौन से प्रकार हैं?

(घ) औपशमिक भाव किसे कहते हैं?

(ङ) क्षायोपशमिक भाव के प्रकारों के नाम लिखें।

(च) नौ योनि स्थानों के नाम लिखें।

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) अश्रुतनिश्रित मतिज्ञान के प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) मन पर टिप्पणी लिखें।

(ग) पर्याप्ति की परिभाषा व प्रकारों का वर्णन करें।

गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) मिथ्यादृष्टि यौगलिक कौन-कौन सी देवगति में पैदा होते हैं?

(ख) असंज्ञी मनुष्य में तीन गमक ही क्यों पाते हैं?

(ग) थलचर कौन-कौन सी नरक तक जा सकता है?

(घ) औघिक शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ङ) उत्कृष्ट स्थिति वाला संज्ञी मनुष्य प्रथम नरक में उत्कृष्ट स्थिति ले तो कितनी स्थिति प्राप्त कर सकता है?

(च) परिमाण द्वार से क्या तात्पर्य है?

(छ) गमा के थोकड़े में कुल कितने गमक टूटते हैं?

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) करोड़ पूर्व की स्थिति वाले संज्ञी तिर्यंच तथा मनुष्य की अवगाहना में परस्पर क्या अन्तर है?

(ख) कायसंवेध को स्पष्ट करें।

(ग) तीसरी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में जघन्य-जघन्य में नाणता कितना व कौन सा?

(घ) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पति के यंत्र का अवगाहना द्वार लिखें।

(ङ) असुर कुमार देवलोक में कौन से संहनन, संस्थान व दृष्टि वाला तिर्यंच यौगलिक जा सकता है?

(च) नौ निकाय में जाने वाले संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्यों की अवगाहना कितनी और क्यों?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दें– 54

(क) प्रथम दस द्वारों के नाम व परिभाषा लिखें।

(ख) प्रथम नरक में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में उपपात द्वार के औघिक-जघन्य गमें में जीव की उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति कितनी व क्यों?

(ग) यंत्र 4 का अवगाहना द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार तथा अनुबंध द्वार लिखें।

(घ) तीसरी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में 4-5-6 गमक का उपपात द्वार, समुद्घात द्वार, आयु द्वार तथा नाणता लिखें।

(ङ) पांचवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में प्रथम तीन गमक व अन्तिम तीन गमक का संस्थान द्वार से वेद द्वार तक लिखें।

(च) यंत्र 13 का काय-संवेध द्वार लिखें।

(छ) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति के यंत्र में संहनन द्वार, अवगाहना द्वार तथा स्थान द्वार को अपेक्षा भेद से लिखें।

(ज) यंत्र 17 के प्रथम तीन गमक का उपपात द्वार, अवगाहना द्वार, आयु द्वार व नाणता लिखें।

(झ) यंत्र 20 के ज्ञान-अज्ञान द्वार तथा जघन्य-उत्कृष्ट भव को अपेक्षा भेद से बतायें।

(ञ) यंत्र 25 का कायसंवेध द्वार लिखें।